

क्या हैं जिनको इस मामले में प्राथमिकता दी जा रही है ?

संचार मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहू-गुणा) : (क) नगरों में 24  
मंडियों में 25

(ख) सूची विवरण में दी गई है जो सभा पटल पर रख दिया गया है। [प्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT-186/71]

(ग) (i) कोई नहीं।

(ii) कारण—डाकघर के लिये कोई भवन इस समय निर्माणाधीन नहीं है।

(घ) बीकानेर डिवीजन में निम्नलिखित स्थानों पर विभागीय इमारतों का निर्माण करने की योजना है :

- |                  |                |
|------------------|----------------|
| 1. पदमपुर        | 2. रायसिंह नगर |
| 3. हनुमानगढ़ जं० | 4. सांगरिया    |
| 5. नोखा          | 6. श्रीकारनपुर |
| 7. भाद्रा        | 8. हनुमानगढ़   |
| 9. देशनोक        |                |

राजस्थान के बीकानेर डिवीजन के डाक-तार कर्मचारियों के लिये क्वार्टर

374. श्री पन्थालाल बाबू पाल : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान के बीकानेर डिवीजन में प्रत्येक डाक तार-घर में अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग कितनी संख्या है।

(ख) उनमें से कितने कर्मचारियों के पास सरकारी रिहायशी क्वार्टर हैं और कितने किराये के मकानों में रहते हैं ;

(ग) क्या अधिकारियों और कर्मचारियों की भावास सम्बन्धी समस्या को सुलझाने की बात को दृष्टि में रखते हुये उनके मंत्रालय का विचार रिहायशी क्वार्टरों का निर्माण कराने का है ; और

(घ) यदि हां, तो कितने क्वार्टर बनाने का विचार है और वे कहाँ बनाये जायेंगे ?

संचार मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहू-गुणा) : (क) सूचना विवरण में दी गई है जो सभा-पटल पर रख दिया गया है। [प्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT-187/71]

(ख) (i) वे अधिकारी	वे कर्मचारी
जिन्हें सरकारी रिहा-	जिन्हें सर-
यशी मकान	कारी मकान
दिये गये हैं	दिये गये हैं

—कोई नहीं—

31

(ii) वे अधिकारी जिन्हें	वे कर्मचारी
किराये के मकान	जिन्हें किराये
दिये गये हैं	के मकान दिये
	गये हैं

3

51

शेष कर्मचारी स्वयं ही व्यवस्था करके मकानों में रह रहे हैं।

(ग) जी हां। बीकानेर, श्री गंगानगर और हनुमानगढ़ में।

(घ) बीकानेर में 42, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में प्लाटों के अधिग्रहण के पश्चात क्वार्टरों के निर्माण की योजना की अभी अन्तिम रूप देना बाकी है।

रूस के साथ रूई व्यापार समझौता

375. श्री ईश्वर चौधरी :

श्री प्रार० बी० बड्डे :

श्री सारतंभ सिंह :

क्या बिबेक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रूई के आयात के लिए रूस के साथ हाल में एक व्यापारिक समझौता किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या भारत के साथ हुए

निर्धारित समय-सीमा की पूर्ति के लिए रूस, सूडान से पर्याप्त मात्रा में रूई मंगायेगा; और

(ब) यदि हाँ, तो सीधे सूडान से रूई आयात न करने के कारण सरकार को कितना वार्षिक व्यय करना पड़ेगा ?

विदेश व्यापार मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) एक करार पर हस्ताक्षर हुए हैं जिनमें सोवियत संघ से प्रतिवर्ष 20,000 टन कच्ची रूई की सप्लाई की व्यवस्था है जिसका भारत में सूती वस्त्रों और निर्मित माल में रूपांतरण करके सोवियत संघ को पुनर्निर्यात किया जायेगा।

(ख) से (घ). दोनों देशों के बीच आगे बातचीत चल रही है और ब्यारो को भन्तिम रूप दिया जा रहा है।

#### Export of Iron Ore

376. SHRI S. R. DAMANI : Will the Minister of FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRI) be pleased to state :

(a) the quality of iron ore shipped during 1970-71 by Government and private agencies and how it compares with the last two years' shipments :

(b) the names of the countries, exported to each the quantity and foreign exchange earned ;

(c) whether any new contracts have been entered into during this year and, if so, the details thereof ; and

(d) whether buyers are preferring supplies from other sources and if so, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRALAYA MEN UP-MANTRI) (SHRI A. C. GEORGE) : (a) and (b). Statements showing exports of iron ore by MMTC and private Shippers of Goa countrywise during the last three years are laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—188/71].

(c) MMTC have concluded contracts for supply of 12.6 million tons of iron ore to various countries during the year 1970-71.

(d) Of late, serious competition has

developed for Indian iron ore in the Japanese market from other sources, such as, Australia, Brazil and USSR. In the last four years, Japan has contracted for imports of very large quantities of ore of Australian origin. Japan has also been trying to locate potential sources of supply in Africa both in the West and South. The Japanese have been trying to diversify their sources of supply of iron ore to the maximum extent so that there dependence on any single source is not unduly high.

In spite of the grim competition which the Indian iron ore is meeting from other iron ore producing countries, our exports have been steadily going up as will be evident from the statement laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—188/71].

#### Export of Manganese Ore

377. SHRI S. R. DAMANI : Will the Minister of FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRI) be pleased to state :

(a) the quantity of manganese ore shipped during 1970-71 by Government and private agencies and how it compares with the shipments made in the last two years ;

(b) the quantity exported and foreign exchange earned, country-wise ;

(c) whether buyers are preferring supplies from other countries and, if so, the reasons therefor ; and

(d) the steps taken to recapture the markets ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRALAYA MEN UP-MANTRI) (SHRI A. C. GEORGE) : (a) Besides the Minerals and Metals Trading Corporation, through whom the export of manganese ore is canalised, Manganese Ore (India) Ltd. is the only other agency allowed to export manganese ore. The details of exports made by MMTC and MOIL during the last three years are given in Statement I laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—189-71].

(b) The information is contained in statement II laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—189/71].

(c) and (d). The world pattern of production and supply of manganese ore is undergoing a change, particularly because of